मै शरण पडा तेरी

गुरुदेव दया करके, मुजको अपना लेना ।
मै शरण पडा तेरी, चरणो मे लगा देना ॥

करुणानिधि नाम तेरा करुणा दिखलाओ तुम।
सोये हुए भाग्यो को, हे नाथ जगाओ तुम॥
मेरी नाव भवर डोले, इसे पार लगा देना ।
गुरुदेव दया करके, मुजको अपना लेना ॥
जय गुरुदेवा, जय गुरुदेवा इन चरणन की पाउ सेवा ।

तुम सुख के सागर हो, निर्धन के सहारे हो।
इस तन समाये हो, मुझे प्राण से प्यारे हो॥
नित माला जपू तेरी, नही दिल से भूला देना ।
गुरुदेव दया करके, मुजको अपना लेना ॥
जय गुरुदेवा, जय गुरुदेवा इन चरणन की पाउ सेवा ।

पापी हूँ या कपटी हूँ, जैसा भी हूँ तेरा हूँ।
घर बार छोड के मै, जीवन से खेला हूँ ॥
दुःख का मारा हूँ मै, मेरा दुखडा मिटा देना ।
गुरुदेव दया करके, मुजको अपना लेना ॥
जय गुरुदेवा, जय गुरुदेवा इन चरणन की पाउ सेवा ।

मै सबका सेवक हूँ तेरे चरणो का चेरा हूँ।
नही नाथ भूलाना मुझे इस जग में अकेला हूँ॥
तेरे दर का भिखारी हूँ, मेरे दोष मिटा देना ।
गुरुदेव दया करके, मुजको अपना लेना ॥
जय गुरुदेवा, जय गुरुदेवा इन चरणन की पाउ सेवा ।